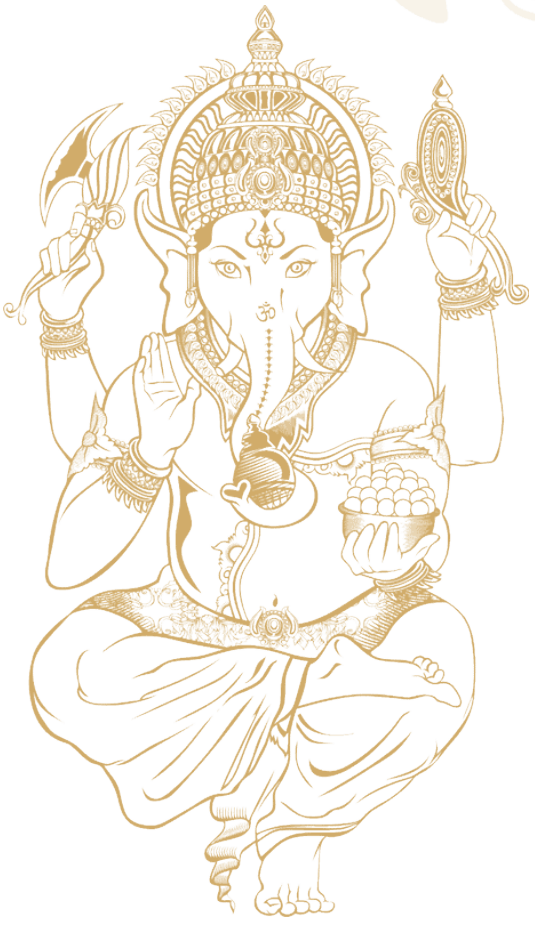

Sh lalit kishore ji

28 Oct 1969

08:10 AM

Baran

Model: web-freekundliweb

Order No: 121619106

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**28/10/1969**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**08:10:00 घंटे**
इष्ट	04:13:00 घटी
स्थान	**Baran**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	25:08:00 उत्तर
रेखांश	76:36:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:23:36 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	07:46:24 घंटे
वेलान्तर	00:16:12 घंटे
साम्पातिक काल	10:11:29 घंटे
सूर्योदय	06:28:47 घंटे
सूर्यास्त	17:45:54 घंटे
दिनमान	11:17:07 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	11:04:13 तुला
लग्न के अंश	02:21:27 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**रोहिणी - 2**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	वरियान
करण	विष्टि
गण	मनुष्य
योनि	सर्प
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	वा-वासुदेव
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	02:21:27	312:29:13	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	---
सूर्य			तुला	11:04:13	00:59:54	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	नीच राशि
चंद्र			वृष	13:44:11	12:31:24	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	राहु	मूलत्रिकोण
मंगल			मक	01:06:18	00:42:20	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	उच्च राशि
बुध			कन्या	28:57:22	01:38:52	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	शनि	स्वराशि
गुरु			कन्या	26:54:38	00:12:49	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			कन्या	19:36:47	01:14:39	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	नीच राशि
शनि	व		मेष	12:06:21	00:04:50	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	बुध	नीच राशि
राहु	व		कुंभ	26:46:34	00:08:03	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	26:46:34	00:08:03	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	सूर्य	शत्रु राशि
हर्ष			कन्या	12:50:03	00:03:27	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	राहु	---
नेप			वृश्चि	04:07:35	00:02:06	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	---
प्लूटो			कन्या	02:53:48	00:01:51	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	---
दशम भाव			सिंह	07:23:00	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:26:10

लग्न-चलित

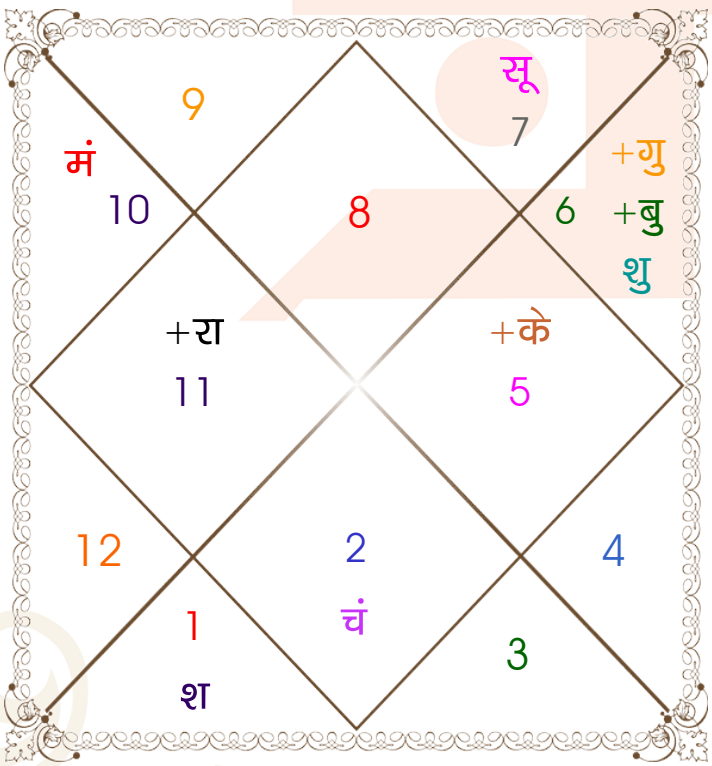

चन्द्र कुंडली

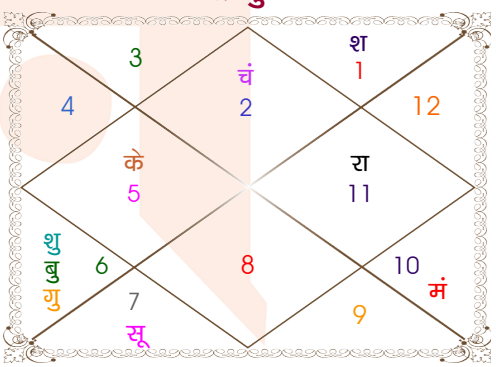

नवमांश कुंडली

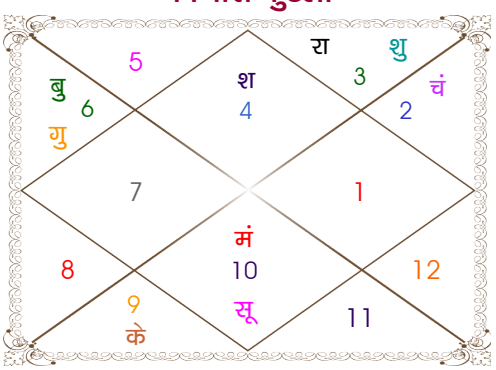

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 7 वर्ष 2 मास 11 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
28/10/1969		08/01/1977		09/01/1984		08/01/2002		08/01/2018	
08/01/1977		09/01/1984		08/01/2002		08/01/2018		08/01/2037	
	00/00/0000	मंगल	06/06/1977	राहु	21/09/1986	गुरु	26/02/2004	शनि	11/01/2021
	28/10/1969	राहु	24/06/1978	गुरु	13/02/1989	शनि	09/09/2006	बुध	21/09/2023
राहु	09/12/1969	गुरु	31/05/1979	शनि	21/12/1991	बुध	14/12/2008	केतु	30/10/2024
गुरु	10/04/1971	शनि	09/07/1980	बुध	10/07/1994	केतु	20/11/2009	शुक्र	30/12/2027
शनि	08/11/1972	बुध	06/07/1981	केतु	28/07/1995	शुक्र	21/07/2012	सूर्य	11/12/2028
बुध	09/04/1974	केतु	03/12/1981	शुक्र	28/07/1998	सूर्य	10/05/2013	चंद्र	13/07/2030
केतु	08/11/1974	शुक्र	02/02/1983	सूर्य	22/06/1999	चंद्र	09/09/2014	मंगल	22/08/2031
शुक्र	09/07/1976	सूर्य	10/06/1983	चंद्र	21/12/2000	मंगल	15/08/2015	राहु	28/06/2034
सूर्य	08/01/1977	चंद्र	09/01/1984	मंगल	08/01/2002	राहु	08/01/2018	गुरु	08/01/2037

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
08/01/2037		08/01/2054		08/01/2061		08/01/2081		08/01/2087	
08/01/2054		08/01/2061		08/01/2081		08/01/2087		00/00/0000	
बुध	06/06/2039	केतु	06/06/2054	शुक्र	09/05/2064	सूर्य	27/04/2081	चंद्र	09/11/2087
केतु	03/06/2040	शुक्र	06/08/2055	सूर्य	10/05/2065	चंद्र	27/10/2081	मंगल	09/06/2088
शुक्र	04/04/2043	सूर्य	12/12/2055	चंद्र	08/01/2067	मंगल	04/03/2082	राहु	28/10/2089
सूर्य	08/02/2044	चंद्र	12/07/2056	मंगल	09/03/2068	राहु	27/01/2083		00/00/0000
चंद्र	09/07/2045	मंगल	08/12/2056	राहु	10/03/2071	गुरु	15/11/2083		00/00/0000
मंगल	07/07/2046	राहु	27/12/2057	गुरु	08/11/2073	शनि	27/10/2084		00/00/0000
राहु	23/01/2049	गुरु	03/12/2058	शनि	08/01/2077	बुध	02/09/2085		00/00/0000
गुरु	01/05/2051	शनि	12/01/2060	बुध	09/11/2079	केतु	08/01/2086		00/00/0000
शनि	08/01/2054	बुध	08/01/2061	केतु	08/01/2081	शुक्र	08/01/2087		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 7 वर्ष 2 मा 19 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विशाखा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृश्चिक लग्नोदय काल में हुआ था। साथ-साथ वृश्चिक लग्न के उदित काल कर्क नवमांश एवं वृश्चिक द्रेष्काण भी उदित हुआ था। फलस्वरूप आपके जन्म आकृति से यह सूचित हो रहा है कि आपको समृद्धि एवं सफलता हेतु तीनों ओर से वाधित पथ में से कोई एक पथ का चयन करना होगा। आप अपने प्रतिपक्षी को बिना किसी भी प्रकार की अगुआई के आक्रमण कर उसे पराजित कर सकते हैं।

आप अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित प्राणी हैं। अच्छा समय आने पर आप धन संचय करने की महत्वकांक्षा की पूर्ति करने में सफल हो सकते हैं तथा आपकी वासनात्मक आकांक्षा की भी पूर्ति हो सकती है। यदि आपके साथ कोई डींग मारकर भ्रमित करता है तो आप अपने मस्तिष्क को झाड़पोछ कर एक ओर कर के उसके माप दण्ड को स्वीकार कर अपनी उन्नति के लिए द्विपक्ष में से उस पक्ष को अपने सहयोगी बना लेंगे जो आपके लिए उपयुक्त होगा। आप सदैव धनी अर्थात् समृद्धशाली व्यक्ति से इर्ष्या रखते हैं तथा आप चरम सीमा तक उसके साथ चलना ठीक समझते हैं। आपका सौभाग्य साथ दिया तो आप भविष्य में सफलता प्राप्त करने में अग्रसर होंगे। परंतु आप अधिकतर अहंकारिक भावना से अति असत्यता हेतु कठिन साध्य से ऊपर उठकर युद्धकारी प्रवृति कर लेंगे। परंतु आपको सर्वथा संयमित होना चाहिए। परिणामस्वरूप आप अपने शत्रु समुदाय की वृद्धि कर लेंगे। लेकिन आगे आप विषाक्त जलन उत्पन्न करते रहे तो आपकी पूंछ को कतर देंगे अर्थात् आपको वे शत्रु पराजित कर देंगे।

आप अपने घरेलू जीवन में जो शासनपूर्ण व्यवहार करते हैं उस प्रवृति के प्रति झुकाव लाना होगा। इसके स्थान पर आपको सामंजस्यता की प्रवृति को स्वीकार करना उत्तम होगा। आप घर में तानाशाही प्रवृति जैसा व्यवहार करना चाहते है। आपकी इस प्रकार की प्रवृति रही अर्थात् इस प्रवृति का त्याग नहीं किया गया तो इस कारण वश अतिरिक्त लाभ करना एक जालसाजी सिद्ध होगा। जो अपनी पत्नी के साथ अच्छा संबंध नहीं रह सकेगा और दूसरा अन्य कारण आपकी वासनात्मक प्रवृति से स्वार्थ साधना प्रमाणित होगा। यद्यपि आप अपनी पत्नी के साथ स्नेहयुक्त संबंध रखेंगे। परंतु आप सदैव ज्वार भाटा के समान दूसरों के साथ वासनात्मक संबंध रखेंगे। यदि आप इन दो प्रमुख विशेषताओं का सुधार नहीं करते हैं तो आपका परिवारिक जीवन सुखी नहीं रहेगा। अतः आप अपनी आगामी कार्य योजना में वैवाहिक जीवन के समक्ष सार्थकता नहीं रह जाएगी। आप अपने विवाह हेतु अर्थात् जीवन संगिनी हेतु उस साथी का चयन करें जिसका जन्म कर्क, मीन, वृश्चिक, वृष, कन्या एवं मकर राशि में हुआ हो अर्थात् उपरोक्त राशियों की लड़की आपके वैवाहिक आनन्द हेतु उपयुक्त होगी।

यद्यपि आप बहुत अधिक धन का उपार्जन करेंगे। आप अपने बैंक के कोष की सुदृढ़ता चाहते हैं जबकि आप धन का अपव्यय भी किया करते हैं। आप बिना जरूरत धन का व्यय करने पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक राशि के प्राणी वृश्चिक स्वाभावात्मक प्राणी को पसंद नहीं करते। ये सामान्यतः समानुपातिक शारीरिक ढ़ाँचे के होते है। इनका व्यक्तित्व सुंदर लगता है। यद्यपि

इनकी आकृति औसतन उपयुक्त होती है। ये अपनी योजना को अधिकारपूर्ण ढंग से सम्मिलित करते हैं क्योंकि इनकी विस्तृत मुखाकृति स्थिर एवं घुंघराले बालों से युक्त होते हैं। ये अपनी मनोवृति के प्रति सतर्क रहते हैं। आप मध्यम अवस्था में मोटे हो जाएंगे। जिसकी वजह से इनकी आकृति बिगड़ सकती है, अन्यथा ये प्रतिभा संपन्न आकृति के होंगे।

आप शारीरिक दृष्टिकोण से पूर्णतः बलिष्ठ होंगे। परंतु आपको कतिपय रोगों के प्रति सतर्क रहना आवश्यक है, अन्यथा वृद्धावस्था में कुछ गलत प्रभाव से अति निर्बलता, ग्रन्थि रोग, एवं मस्तिष्क रोग से संबंधित मस्तिष्क ज्वर से आक्रांत हो सकते हैं।

आपको अपनी प्रगति हेतु निम्नांकित व्यवसायों में से उत्तम व्यवसाय का चयन करना चाहिए। यथा-केमेस्ट्री, अनुसंधान कार्य, मेडिकल एवं मातृत्व चिकित्सा इन्सयोरेंस, आपराधिक छानबीन, लौह एवं स्टील के कार्य अथवा प्रतिरक्षा सेवा अथवा कलाकारिता आदि। आप संगीत कला का भी कुछ समय अभ्यास कर सकते हैं।

साप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक है। इसे अतिरिक्त 5, 6 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए रंग पीला, लाल, नारंगी एवं क्रीम रंग अनुकूल है। इसके अतिरिक्त रंग सफेद, ब्लू एवं हरा रंग सर्वथा त्याज्यनीय है।